अन्तर्राष्ट्रीय श्री 108 प्रसन्न सागर जी महाराज

04 प्रदेश, 06 संस्करण

अमर भारती

एक उम्मीद

नई दिल्ली, वर्ष: 18, अंक: 277 पृष्ठ: 12, मूल्य: 03 रु RNI No. DELHIN/2005/14724 www.amarbharti.com रविवार, 22 जनवरी 2023 ...

कवि कोना
-तुलसी लाल 'तुल्स'

* आँखें *

सालासर में ब्रज गोपी के भाव सुन जगद्गुरु हुए मंत्रमुग्ध

- स्वामी रामभद्राचार्य महाराज के जन्मोत्सव की पूर्व संध्या पर मंचन

मथुरा। पदम विभूषण तुलसी पीठाधीश्वर जगतगुरु स्वामी रामभद्राचार्य जी महाराज के 74वां जन्मोत्सव की पूर्व संध्या पर श्री बालाजी गौशाला संस्थान एवं पुजारी परिवार, सालासर के तत्वावधान में आयोजित ब्रज रत्न वन्दनाश्री मथुरा द्वारा श्री कृष्ण रस धारा का दिव्य मंचन प्रस्तुत हुआ। वन्दनाश्री ने अपनी गायकी से सिद्ध कर दिया कि ब्रज रस की महिमा, वाणीका माधुर्य और ब्रज गायिका का सरसगान क्या होता है। विशुद्ध पदों वाले लोकगीतों के आत्मविभोर करने वाले गान ने दर्शकों एवं अतिथियों का मन मोहा। एक से बढ़कर एक भजनों एवं भगवान श्री कृष्ण की लीलाओं का मंचन किया गया विश्व प्रसिद्ध ब्रज लठ्ठमार फूलों की होली से कार्यक्रम विश्राम किया गया। देश विदेश में रास संगीत एवं लोक संगीत का परचम लहराने वाली अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त ब्रज रत्न वन्दनाश्री की सुमधुर भाव में भजनामृत ने सदगुरुदेव भगवान जगतगुरु परम पूज्य रामभद्राचार्य को भाव विभोर कर दिया। गोपी भाव पर मोहित हो राधा रानी की महिमा का गुणगान कर गुरुदेव ने स्वयं की वाणी में रसिया सुना कर लट उलझी सुलझा जा रे मोहन, मेरे हाथ मेहंदी लगी, स्वयं भी ग्वाल भाव उत्पन्न कर दिया। जनमानस से कोटि कोटि वन्दनाश्री की प्रशंसा सुनकर सद्गुरु भगवान ने पद गायन सुना और स्वयं भी सुनाया -कान्हा मैं तेरे मोरन की बलिहारी, कान्हा मैं बांस वंश की भी बलिहारी हूं। इस बांस की बांसुरी की के अनंत कोटि भाग्य हैं जो तेरे अधरों पर सदैव विराजित रहती है ऐसा श्रीकृष्ण के प्रति प्रियतम भाव से गुरुवर गदगद हो गए और राधा रानी के भाव से पुत्री वत्त अपना आशीर्वाद रूपी छत्रछाया में अनूप अपार स्नेह प्रदान किया। राधा - कृष्ण गोपियों के मध्य पूज्य गुरुदेव ने मन के नेत्रों से सभी का दर्शन कर अपना अथाह प्रेम लुटाया। इस अवसर पर सभी भक्तों के नेत्र सजल हो गए। कार्यक्रम का शुभारंभ गौशाला अध्यक्ष रविशंकर पुजारी, उत्तराधिकारी आचार्य रामचंद्र दास, यज्ञ सम्राट बालयोगेश्वर दास महाराज, दीपक शर्मा, दामोदर शर्मा एवं समस्त पुजारी परिवार द्वारा किया गया।

अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त ब्रज रत्न वन्दनाश्री आशीर्वाद लेते हुए।